सांध्य दैनिक 4PM

महानता कभी न गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है।

-कन्फ्यूशियस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 92 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 6 मई, 2024

केकेआर से हार के बाद एलएसजी... 7 | पूर्वी भारत में भी चुनावों में आई... 3 | अगले पांच साल में लागू करेंगे... 2

कल तीसरे चरण का मतदान कम वोटिंग से नेता परेशान

सभी सियासी दलों ने लोगों से की घरों से निकलने की अपील

» 12 राज्यों के 93 सीटों पर होना है चुनाव, 1300 से अधिक प्रत्याशी मैदान में

» कांग्रेस-इंडिया व भाजपा-एनडीए में होगा कड़ा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तीसरे चरण का मतदान कल होगा। चुनाव आयोग ने पूरी तैयारी कर लिया है। पोलिंग पार्टियां रवाना कर दी गई। तीसरे चरण में 93 सीटों पर वोटिंग होगी। 1300 से अधिक प्रत्याशी मैदान में हैं। भाजपा, कांग्रेस समेत कई दल इसमें अपनी ताल ठोंक रहें हैं। इस चरण में बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे कुछ प्रमुख राज्यों में मतदान होगा।

लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के लिए 7 मई को मतदान होगा। इस चरण में 12 राज्यों की 93 सीटों पर प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो जाएगी। भीषण गर्मी के बीच मतदाताओं को घर से बाहर निकालना चुनाव आयोग के लिए चुनौती बना हुआ है। सभी दलों के नेताओं ने लोगों से वोट करने की अपील की है। मतदान सुबह लगभग 7 बजे शुरू होगा और शाम 5 बजे समाप्त होगा। पहले जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर भी इसी दिन वोटिंग होना थी, लेकिन यहां 25 मई को मतदान पुनर्निर्धारित किया गया है।

सभी के इस चरण में अपनी-अपनी बढ़त के दावे

यूपी में 10 लोकसभा क्षेत्रों में पूरी हुई तैयारी

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत मंगलवार को 10 सीट के लिए मतदान की तैयारी पूरी हो चुकी हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने यह जानकारी दी। तीसरे चरण के तहत मंगलवार को उत्तर प्रदेश की संभल, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला और बरेली सीट पर मतदान होगा। इस चरण में 100 उम्मीदवारों के भाग्य के फैसले का अधिकार 1.88 करोड़ मतदाताओं के पास होगा। इनमें एक करोड़ से अधिक पुरुष मतदाता और 87 लाख से अधिक महिला मतदाता शामिल हैं।

इन सीटों पर होगी वोटिंग

असम (4 लोकसभा सीट): धुबरी, कोकराझार, बारपेटा, गौहाटी,बिहार (5 लोकसभा सीट): झंझारपुर, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, खगड़िया, छत्तीसगढ़ (7 लोकसभा सीट): सरगुजा, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर, दादरा और नगर हवेली (1 लोकसभा सीट): दादरा और नगर हवेली,दमन और दीव (1 लोकसभा सीट): दमन और दीव गोवा (2 लोकसभा सीट): उत्तरी गोवा, दक्षिणी गोवा, गुजरात (25 लोकसभा सीट): कच्छ, बनासकांठा, पाटन, महेसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अहमदाबाद पूर्व, अहमदाबाद पश्चिम, सुरेंद्रनगर, राजकोट, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, अमरेली, भावनगर, आनंद, खेड़ा, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदयपुर, भरूच, बारडोली , नवसारी, वलसाड, कर्नाटक (14 लोकसभा सीट): चिक्कोडी, बेलगाम, बागलकोट, बीजापुर, गुलबर्गा, रायचूर, बीदर, कोप्पल, बेल्लारी, हावेरी, धारवाड़, उत्तर कन्नड़, दावणगेरे, शिमोगा, मध्य प्रदेश (8 लोकसभा सीट): मुरैना, भिंड, ग्वालियर, गुना, सागर, विदिशा, भोपाल, राजगढ़, महाराष्ट्र (11 लोकसभा सीट): बारामती, रायगढ़, धाराशिव, लातूर (एससी), सोलापुर (एससी), माधा, सांगली, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, कोल्हापुर, हटकनंगले, उत्तर प्रदेश (10 लोकसभा सीट): संभल, हाथरस, आगरा (एससी), फ़तेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा, बदायूं, आंवला, बरेली, पश्चिम बंगाल (4 लोकसभा सीट): मालदा उत्तर, मालदा दक्षिण, जंगीपुर, मुर्शिदाबाद।

डिंपल समेत यादव परिवार के दिग्गज चुनावी मैदान में

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सैफई परिवार अहम किरदार निभाता आ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए इस बार लोकसभा चुनाव में बहू डिंपल बेटे व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अक्षय आदित्य और धर्मेंद्र यादव चुनावी मैदान में हैं। राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि इस बार तीसरे चरण से उठने वाली बयार का असर पूर्वांचल तक पड़ेगा। तीसरे चरण में केंद्रीय मंत्री एस. पी. सिंह बघेल (आगरा), उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह (मैनपुरी) और राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि (हाथरस) की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। लोकसभा चुनाव का यह दौर समाजवादी पार्टी (सपा) के लिए भी महत्वपूर्ण है जिसमें मैनपुरी सीट से डिंपल यादव फिर से जीत के लिए प्रयास कर रही हैं। इस सीट पर उन्होंने अपने ससुर और सपा नेता मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद हुए उपचुनाव में जीत हासिल की थी।

झारखंड में ईडी की छापेमारी

मंत्री के पीएस के घर मिला नोटों का अंबार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने झारखंड की रांची में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इन्हें ठिकानों पर बड़े पैमाने पर परिवर्तन निदेशालय की टीम को कैश भी बरामद हुआ है। जिन जगहों पर छापेमारी की गई है उसमें ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल शामिल है। उनके घर से प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने भारी नकद राशि को बरामद किया है।

अब तक मेरी जानकारी के मुताबिक 20 से 30 करोड़ रुपए के बीच की नदी बरामद की गई है। इन नोटों की गाड़ियों को गिरने के लिए नोट गिरने वाली मशीन मंगाई

जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय ने फरवरी 2023 में कुछ योजनाओं के कार्यान्वयन में अनियमिताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र के. राम को गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया है कि जो राशि बरामद की गई है वह ब्लैक मनी का हिस्सा है।

अब्बास अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

» पिता मुख्तार के चालीसवां में शामिल होने के लिए मांगी जमानत

» सीजेआई ने कहा कल होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्तार अंसारी के जेल में बंद बेटे अब्बास अंसारी ने अपने पिता के चालीसवां संस्कार में शामिल होने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मांगी है। अब्बास के वकील कपिल सिब्बल ने इस केस पर जल्द सुनवाई की मांग की। इस दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने उन्हें बताया कि मामला कल यानी सात मई को सुनवाई के लिए लगा है।

मुख्तार का चालीसवां भी इसी दिन है। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार (3 मई) को जेल में बंद अब्बास की जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हुआ था।

अब्बास एक साल से ज्यादा वक्त से जेल में बंद है। वह फिलहाल यूपी की कासगंज जेल में कैद है. वह अपने पिता की मिट्टी में भी शामिल नहीं हो पाया था। उसने पिता के जनाजे में शामिल होने के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई थी। मुख्तार की मौत की जानकारी भी उसे जेल में ही दे दी गई थी, जिसके बाद वह रोने लगा था। दरअसल, मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। गैंगस्टर से राजनेता बना मुख्तार बांदा की जेल में बंद था। रात में तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में उमर को मिली जमानत

उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत गैंगस्टर-नेता मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी को 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान दर्ज एक आपराधिक मामले में सोमवार को जमानत दे दी। यह मामला आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन का है। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति पी के मिश्रा की पीठ ने उमर से मामले के सिलसिले में निचली अदालत में पेश होने को कहा। शीर्ष अदालत ने 25 जनवरी को उमर को मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले साल उमर अंसारी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। इस संबंध में चार मार्च, 2022 को मऊ जिले के कोतवाली थाने में अब्बास अंसारी (मऊ सदर सीट से एसबीएसपी प्रत्याशी), उमर अंसारी और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

अगले पांच साल में लागू करेंगे एक देश एक चुनाव : राजनाथ

» आंध्र प्रदेश की रैली में रक्षा मंत्री ने भरी हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरावती (आंध्र प्रदेश)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के केंद्र में दोबारा सत्ता में आने पर पूरे देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव प्रणाली लागू करेगा। कडप्पा जिले के जम्मलमाडुगु में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि उसकी भ्रष्ट प्रथाओं के कारण राज्य 13.5 लाख करोड़ रुपए के कर्ज में डूब गया है।

वाईएसआरसीपी पर निशाना साधते हुए, सिंह ने कहा कि लोग बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति के कारण सत्तारूढ़ दल से तंग आ चुके हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) आंध्र प्रदेश में सत्ता में आता है, तो राज्य को भ्रष्टाचार से मुक्त कराया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव के साथ ही लोकसभा चुनाव भी हो रहे हैं। हमारी प्रतिबद्धता है कि हम अगले पांच वर्षों में पूरे देश में एक राष्ट्र-एक चुनाव लागू करेंगे ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। राहुल गांधी की पाकिस्तान में प्रशंसा होने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने कहा कि गांधी परिवार को भारत में राजनीति करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव को नजरअंदाज किया, लेकिन यह राजग था जिसने उन्हें सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया।

किसानों व कारीगरों से बीजेपी ने बोला झूठ : अखिलेश यादव

» सपा नेता ने भाजपा से पूछे 100 से ज्यादा सवाल

» बिना जांच क्यों लगवाया कोरोना का टीका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोविशील्ड को लेकर बीजेपी व मोदी सरकार पर हमले जारी है। सपा नेता व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश ने कहा कि भाजपा को यह बताना चाहिए कि उसने किसानों को एमएसपी को लेकर असत्य क्यों बोला। लघु उद्योगों के लिए कारगर कदम क्यों नहीं उठाया। बैंकों का कर्ज हड़पने वालों को विदेश क्यों भागने दिया।

दरअसल, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर भाजपा से सौ से ज्यादा सवाल पूछे हैं। इन्हें जनता के सच्चे सवाल बताते हुए पूछा है कि बिना जांच-परीक्षण के कोरोना का जानलेवा टीका जनता को क्यों लगवाया। राजनीतिक विरोधियों को कारागार में मारने की साजिशों को अंजाम देने का आरोप भी लगाया है। साथ ही यह भी पूछा है कि हाथरस में दलित की बेटी के बलात्कार व मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार का हक क्यों छीना। अखिलेश ने पूछा है कि भाजपा ने अपने नेताओं से बार-बार संविधान बदलने की बात क्यों कहलवाई। पुरानी पेंशन योजना बंद करके कर्मचारियों का हक क्यों मारा। इन सवालों के जरिये सफाई कर्मियों के सीवर में मरने का मामला उठाया है तो महंगाई को लेकर भी पर भाजपा पर हमला बोला है। सीसीटीवी कैमरे के सामने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धांधली क्यों होने दी। लेटरल इंट्री के नाम पर विभिन्न विभागों में उच्च पदों पर अपनी विचारधारा के लोग क्यों भर्ती किए।

राज्य की कानून-व्यवस्था पर ध्यान दें स्टालिन : पन्नीरसेल्वम

» कांग्रेस नेता की हत्या को लेकर द्रमुक सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम ने कांग्रेस पार्टी की तिरुनेलवेली पूर्वी जिला इकाई के अध्यक्ष केपीके जयकुमार धनसिंह की हत्या की निंदा करते हुए मांग की कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन राज्य में कानून व्यवस्था के मुद्दों पर विशेष ध्यान दें तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करें। अखिल भारतीय अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की कार्यकर्ता अधिकार पुनर्प्राप्ति समिति के प्रमुख पन्नीरसेल्वम ने द्रमुक सरकार पर इस घटना के सिलसिले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए उसकी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो गई है, जिससे राज्य असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। पन्नीरसेल्वम ने दावा किया, कांग्रेस नेता को जलाकर मार दिया जाना इस बात को साबित करता है कि राज्य असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि धनसिंह ने अपनी जान पर खतरे को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन, इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के नेता की हत्या कर दी गई और यह द्रमुक शासन के दौरान लापरवाही की हद को दर्शाता है। पन्नीरसेल्वम ने मांग की कि मुख्यमंत्री कानून और व्यवस्था के मुद्दों पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दें, अपराधियों पर सख्ती से लगाम लगाएं और धनसिंह की हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाएं। उन्होंने कहा, यदि पुलिस ने कांग्रेस नेता को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई होती तो उनकी हत्या नहीं होती लेकिन द्रमुक सरकार अपराध को रोकने में विफल रही। इससे यह संदेह पैदा होता है कि क्या द्रमुक शासन असामाजिक तत्वों के समर्थन में काम कर रहा है? पन्नीरसेल्वम ने एक बयान में कहा कि द्रमुक शासन के तहत, पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु के लोगों की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं थी।

धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला का टिकट कटा

» जौनपुर से अब श्याम सिंह यादव बसपा प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जौनपुर में पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी का टिकट कट गया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उनकी जगह श्याम सिंह यादव को उम्मीदवार बनाया है। बसपा से टिकट मिलने के बाद श्याम सिंह ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि बहनजी ने मुझ पर इतना भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि वो बहुत साधारण ढंग से ही अपना नामांकन भरने जाएंगे।

सांसद श्याम सिंह यादव ने जौनपुर सीट से बसपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद कहा कि ऐसे नाजुक समय पर, ऐसे आखिरी पल में अगर किसी के साथ ऐसा होगा तो अच्छा ही महसूस करेगा। बहनजी ने ऐसे समय में मुझपर विश्वास जताया है वो सराहनीय है। और मैं उनका बहुत आभारी हूं, आगे जौनपुर की जनता के साथ कमर कसकर खड़ा रहूंगा। श्याम सिंह ने बताया कि, आज एक बजे से पहले मेरा सिंबल आ जाएगा। हम बहुत साधारण ढंग से नामांकन भरने जाएंगे। मुझे टाइम कम मिला कि मैं सौ-डेढ़ सौ गाड़ियां जुटा पाता। लेकिन, अगर मिल भी जाता तो भी मैं बहुत सरल ढंग से अपना नामांकन करने जाता। पहले मैं खुद चुनाव लड़ने का इच्छुक नहीं था। उस वक्त मैंने खुद कहा था कि मैं अगला चुनाव नहीं लड़ूंगा। बशर्ते कि कोई आदमी मुझ पर इतना भरोसा जताए और जोर देकर कहे कि चुनाव लड़ना है।

मैंने कहीं किसी से सिफारिश नहीं की : श्याम सिंह यादव

श्रीकला रेड्डी का टिकट कटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि, मैंने कहीं किसी को सिफ़ारिश नहीं की कि मुझे टिकट दिया जाए। मैं तो आज बाहर जाने वाला था, लेकिन, रात को बहन जी का फोन आया कि मैं आपको चुनाव लड़ाना चाहती हूं क्या आप तैयार हो? ये बहुत चांस की बात है। बहुजन समाज पार्टी को बीजेपी की बी टीम कहने पर उन्होंने कहा कि पिछली बार भी जौनपुर की जनता की बदौलत मैं जीता था। एक ज्योतिषी ने बहुत पहले ही इसकी भविष्यवाणी कर दी थी कि जौनपुर के अगले सांसद आप ही बनेंगे तो मैंने कहा कि मुझे तो टिकट नहीं मिला है. लेकिन अब उसकी बात सच होते दिख रही है।

सपा छोड़ जितेंद्र ने थामा कमल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी यादव वोटबैंक में लगातार सेंधमारी कर रही है। हरगांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंच पर सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र यादव ने तमाम सपाइयों के साथ भाजपा की सदस्यता ले ली। इसे सपा के लिए जबरदस्त झटका माना जा रहा है। जितेंद्र यादव के कमल थामने से सीतापुर के साथ ही धौरहरा, मिश्रिख, हरदोई, लखीमपुर खीरी सहित कई लोकसभा सीटों पर सीधे असर पड़ेगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र यादव ने पिछले दिनों पार्टी छोड़कर हाथी पर सवार हो गए। उन्हें बसपा ने सीतापुर से प्रत्याशी बना दिया है। ऐसे में भाजपा ने नई चाल चलते हुए सीतापुर के दिग्गज यादव नेता और पूर्व विधायक रामपाल यादव के परिवार पर निगाह गड़ाई। यह परिवार सीतापुर ही नहीं आसपास के जिलों के यादवों पर भी गहरी पकड़ रखता है। करीब छह माह पहले पूर्व विधायक के निधन के बाद सियासी विरासत उनके बेटे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जितेंद्र यादव संभाल रहे हैं। उनके साथ सहानुभूति की लहर भी है। माना जा रहा था कि सीतापुर से जितेंद्र यादव को सपा- कांग्रेस गठबंधन का उम्मीदवार बनाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ऐसे में भाजपा ने जितेंद्र यादव को अपने पाले में करने की रणनीति बनाई। रविवार को हरगांव में प्रधानमंत्री की जनसभा के दौरान जितेंद्र यादव ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थाम लिया। उनके साथ सीतापुर ही नहीं आसपास के अन्य जिलों के करीब सौ से ज्यादा यादव नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली है। इसे सपा के लिए जोरदार झटका माना जा रहा है। क्योंकि यह परिवार सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और शिवपाल सिंह यादव का काफी नजदीकी रहा है।

पूर्वी भारत में भी चुनावों में आई तेजी

कांग्रेस-इंडिया व राजग-भाजपा ने तेज किए दौरे

- » पूर्वोत्तर, बंगाल, ओडिशा में नेताओं ने डाले डेरे
- » रैलियों में एक-दूसरे पर हो रहे तीखे प्रहार
- » सिक्किम का सियासी समीकरण, सभी पार्टियों का चहेता शरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण और उत्तर भारत की पूर्वी भारत में भी चुनावी में तेजी आ गई है। पूर्वोत्तर, पश्चिम बंगाल से लेकर ओडिशा तक सियासी पार्टियों ने अपने-अपने तीर-तरकश तैयार कर लिए है। सभी राज्यों में कांग्रेस इंडिया गठबंधन प भाजपा-राजग गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। हालांकि बंगाल व ओडिशा में राजनीति अलग ही नजर आ रही है। बंगाल में कांग्रेस व टीएमसी इंडिया गठबंधन के सहयोगी है पर एकदूसरे की राज्य में टांग खींचने का कोई मौका गंवाना नहीं चाहते। आलम यह है कि कांग्रेस नेता अधीर रंजन जहां बीजेपी को वोट देने की बात कहते सुनाई दे रहें हैं तो ममता बनर्जी कांग्रेस, सीपीएम पर बीजेपी के साथ मिलने की बात कहती रहती है। अब तो 4 जून को ही पता चलेगा कि कौन बाजी मारता है।

ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024) के लिए होने वाले मतदान से पहले मौजूदा केंद्रीय मंत्री और संबलपुर से बीजेपी उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान ने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक छात्र नेता के रूप में संबलपुर से काफ़ी वक्त गुज़ारा, धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि वह 15 साल के बाद चुनावी रण में उतरे हैं। इतने समय तक वह खुद चुनाव नहीं लड़े बल्कि दूसरों को लड़वाया। चुनाव लड़ने और चुनाव लड़वाने में बहुत फ़र्क होता है. वहीं उन्होंने बताया कि आज के समय में चुनाव पहले की तुलना में काफी बदल चुका है, अब सोशल मीडिया इसमें बहुत ही अहम रोल अदा करता है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ऐसा लगता है कि अब बहुत कुछ बदल गया है. अब चुनावों में सोशल मीडिया का इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन इससे डीप फेक वीडियो के साथ ही अन्य चुनौतियां भी हैं, सोशल मीडिया का मिसयूज भी आसानी से किया जा रहा है, इसके जरिए अफ़वाहें और झूठी बात फैलाई जाती हैं, उन्होंने एआई की तुलना में ह्युमन इंटेलिजेंस पर ज्यादा भरोसा जताया।

बेहद खूबसूरत पहाड़ों वाले राज्य सिक्किम की जनसंख्या 6.11 लाख है। बता दें कि राज्य की प्रजनन दर लगातार घटती जा रही है। जिसके लिए सिक्किम सरकार की तरफ से एक अनूठी पहल शुरू की गई है। दरअसल, सिक्किम में स्थानीय जनजातियों के 80 फीसदी लोग शामिल हैं। साल 1642 में सिक्किम वजूद में आयाा था। इस दौरान फुंत्सोंग नाम्याल को सिक्किम का पहला चोग्याल यानी की राजा घोषित किया गया। इस तरह सेसिक्किम में राजतंत्र की शुरूआत हुई। जिसके बाद 333 सालों तक नाम्याल राजवंश ने सिक्किम पर राज किया था। जिसके बाद साल 1947 में देश की आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में अलग-अलग रियासतों का भारत में विलय किया। वहीं 1975 में सिक्किम की आजादी का खात्मा कर चोग्याल को उनके महल में नजरबंद कर दिया गया। जिसके बाद सिक्किम को भारत का 22वां राज्य बनाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक 23 अप्रैल 1975 को लोकसभा में पेश किया गया। उसी दिन 299-11 के मत से इसको पास कर दिया गया। वहीं 26 अप्रैल को राज्यसभा में यह बिल पास हुआ और 15 मई 1975 को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इस बिल पर साइन किए।

बंगाल में कांग्रेस व टीएमसी में दोस्ती के बाद भी बवाल

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान से बवाल मचा हुआ है। अधीर रंजन चौधरी का एक वीडियो इन दिनों वायरल हो रहा है जिसमें वो कह रहे हैं कि अगर आगामी चुनाव में टीएमसी को वोट देने जा रहे हैं तो उससे अच्छा है कि आप बीजेपी को ही वोट दे दें। अधीर रंजन चौधरी के इस बयान के बाद टीएमसी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण की वोटिंग को लेकर चुनाव प्रचार जोरों पर है। सभी पार्टियां जनता तक अपनी बात पहुंचाने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ना चाहती है। बात अगर पश्चिम बंगाल की करें तो यहां टीएमसी और कांग्रेस दोनों अलग-अलग उम्मदवार उतार रही हैं। खास बात ये है कि टीएमसी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन बंगाल में सीटों को लेकर दोनों पार्टियों में कोई बात नहीं बन पाई है। लिहाजा अब दोनों ही पार्टियां चुनाव में अपने बल पर उतरी है।

जातीय समीकरण : जनजातियों के 80 फीसदी लोग शामिल

बेहद खूबसूरत पहाड़ों वाले राज्य सिक्किम की जनसंख्या 6.11 लाख है। बता दें कि राज्य की प्रजनन दर लगातार घटती जा रही है। जिसके लिए सिक्किम सरकार की तरफ से एक अनूठी पहल शुरू की गई है। दरअसल, सिक्किम में स्थानीय जनजातियों के 80 फीसदी लोग शामिल हैं। राज्य की अनुमानित जनसंख्या 6,58,019 है। जिसमें पुरुषों की अनुमानित जनसंख्या 3, 48,158 है और महिलाओं की अनुमानित जनसंख्या 3,09,861 है। आपको बता दें कि सिक्किम राज्य उत्तर और पूर्वोत्तर में भूटान राज्य से स्पर्श करता है। वहीं पश्चिम में राज्य की सीमा नेपाल से लगती है। सिक्किम में लोकसभा की एक और विधानसभा की 32 सीटें हैं। राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग हैं। सिक्किम में साल 2019 के विधानसभा चुनाव में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा ने 17 सीटों पर जीत हासिल की थी। राज्य की साक्षरता दर 82 प्रतिशत है। यहां पर अधिकतर लोग नेपाली भाषा बोलते हैं। राज्य में लोकसभा चुनाव 2024 के साथ विधानसभा चुनाव भी हैं। सीएम प्रेम सिंह तमांग ने दावा किया है कि उनकी पार्टी एसकेएम चुनाव में 32 में 26 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

अधीर का मानसिक संतुलन ठीक हो गया : पॉल

इस बयान पर बीजेपी की नेता अग्निमित्रा पॉल ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुझे अच्छा लगा, एक बात तो सच बोल दी। शायद गर्मी में उनका मानसिक संतुलन ठीक हो गया है।

कांग्रेस-वाम दल बीजेपी की कर रहे मदद : टीएमसी

टीएमसी ने चौधरी के बयान पर कहा कि उनके इस बयान से ये साफ है कि कांग्रेस-वाम दल और बीजेपी के बीच मिलीभगत हो गई है। अब ऐसे में राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में जो हालात हैं उससे ये तो साफ है कि कांग्रेस और टीएमसी सेल्फ गोल करने यानी खुद का नुकसान करने में जुटी है। इन सब के बीच टीएमसी ने कुणाल घोष को पार्टी के प्रदेश महासचिव पद से हटा दिया है। दरअसल एक चुनावी मंच पर कुणाल घोष ने बीजेपी उम्मीदवार की तारीफ करते नज़र आए थे।

पटनायक को ओडिशा में उत्तराधिकारी नहीं मिला : बीजेपी

वीके पांडियन को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि साढ़े 4 करोड़ ओडिशा के लोगों में नवीन पटनायक को क्या एक भी उत्तराधिकारी नहीं मिला। वह पिछले दरवाजे से एक बाहरी को ओडिशा पर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी कि एक बाबू यानी कि एक पूर्व नौकरशाह को उन्होंने ओडिशा का चेहरा बना दिया। बीजेडी से गठबंधन के सवाल पर उन्होंने साफ कर दिया कि ऐसी कोई बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सीएम पटनायक जहां से चुनाव लड़ते हैं, वह जगह पलायन का गढ़ है। गंजाम जिले से सबसे ज्यादा पलायन हुआ है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बीजेपी विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही है, ओडिया समाज से बीजेपी की एक प्रतिबद्धता है,उन्होंने ओडिशा में खाली पड़े सरकारी नौकरी के पदों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एक लाख सरकारी नौकरी के पद ख़ाली पड़े हैं, लेकिन नवीन सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस बार बीजेपी ही नंबर-1 बनेगी। उन्होंने साफ किया कि राजनीति में हमारा कोई दुश्मन नहीं है. साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास कोई आइडिया, विजन या जिम्मेदारी है ही नहीं। वहीं उड़िया अस्मिता की बात करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने बीजेडी की नवीन पटनायक सरकार को विकास के मुद्दे पर जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि जब उड़िया अस्मिता की बात की जाती है तो उसका मतलब ये है कि राज्य में विकास नहीं हुआ।

ओडिशा में बन रही बीजेपी सरकार : प्रधान

संबलपुर से बीजेपी उम्मीदवार और पार्टी के दिग्गज नेता धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि ओडिशा में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। ओडिशा में पीएम मोदी की विश्वसनीयता सबसे ज्यादा है। पीएम मोदी की योजनाओं से ओडिशा के लोग सबसे ज्यादा लाभान्वित हुए हैं। पीएम मोदी भी ओडिशा पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है। बता दें कि ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ-साथ हो रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनवाते हुए कहा कि 2014 में 5000 करोड़ वाला खनिज राजस्व साल 2024 में बढ़कर 50 हज़ार करोड़ हो गया है। केंद्र की उज्ज्वला योजना के सिलिंडर का लाभ 55 लाख लोगों को मिला है। वहीं 34 लाख लोगों को घर मिले हैं। बीजेपी उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार की नाकामियों को गिनवाते हुए कहा कि 60 फ़ीसदी महिलाओं में खून की कमी है और 66 फ़ीसदी बच्चे खून की कमी और कुपोषण के शिकार हैं, सिर्फ इमारत बनवा देने से इलाज नहीं होता है, सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर तक नहीं हैं, पटनायक सरकार पिछले 24 सालों से ओडिशा में है, लेकिन फिर भी हेल्थ सेक्टर का हाल बहुत ही खराब है। उन्होंने कहा कि नवीन सरकार ने 10 हज़ार करोड़ रुपए पानी पर खर्च कर दिया, लेकिन महानदी, हीराकुंड डैम के पास गंदगी की वजह से लोग डायरिया का शिकार हो रहे हैं। सिंचाई के लिए पानी तक की किल्लत है, राज्य में शिक्षा का हाल भी बहुत खराब है। शिक्षकों की कमी की वजह से स्कूल बंद हो रहे हैं। बच्चे स्कूलों को छोड़ रहे हैं। उन्होंने एनसीआरबी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं की हालत बहुत ख़राब है, राज्य में माइग्रेशन भी तेजी से हो रहा है, काम नहीं मिलने की वजह से लोग राज्य से पलायन करने को मजबूर हैं, प्राकृतिक संसाधन का मौजूदा सरकार ठीक से इस्तेमाल ही नहीं कर रही है, ओडिशा का 24 साल से विकास नहीं हुआ है, बीजेडी सरकार पर हमलावर धर्मेंद्र प्रधान ने पूछा कि आप सत्ता का सुख ले रहे हैं या विकास कर रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बिना दबाव में आए इलाज करें चिकित्सक

> डॉक्टर ही भगवान का दूसरा रूप होते हैं। डॉक्टरों को कभी किसी लालच में नहीं आना चाहिए, क्योंकि डॉक्टर पर मरीजों को बचाने की जिम्मेदारी होती है। डॉक्टर यदि लालच व दबाव में आ जाएगा तो मरीजों को नहीं बचा सकता। एम्स के डॉक्टर अच्छा कार्य करते हैं और एम्स में आने वाले मरीजों को डॉक्टर से काफी उम्मीद रहती है। यहां के डॉक्टर मरीजों के प्रति काफी गंभीर रहते हैं।

आज कल देश में कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड को लेकर दहशत का माहौल है। दरअसल, इंग्लैंड की कंपनी जिसने यह वैक्सीन बनाई है उसने कहा है इसका साइड इफेक्ट आदमी के लिए जानलेवा साबित हो रहा। जिस वैक्सीन को लगवाकर हर कोई खुद को सुरक्षित और महफूज मान रहा था। अब वो ही वैक्सीन सवालों के घेरे में है। दरअसल, ऐसा इसलिए भी है क्योंकि जो साइडइफेक्ट कंपनी द्वारा बताए गए हैं और उससे जो खतरा होना बताया गया है, वैसे सारे लक्षण वाले कई केस पिछले कुछ दिनों में भारत में पाए गए। हालांकि भारत में चिकित्सकों का कहना इसका असर नहीं है लोगों को घबराने की जरूरत नही है। उधर भारत के मुख्य न्यायाधीश ने चिकित्सकों से कहा कि उन्हें बिना किसी दबाव में आकर मरीजों के उपचार पर ध्यान देना चाहिए। डॉक्टर ही भगवान का दूसरा रूप होते हैं। डॉक्टरों को कभी किसी लालच में नहीं आना चाहिए, क्योंकि डॉक्टर पर मरीजों को बचाने की जिम्मेदारी होती है। डॉक्टर यदि लालच व दबाव में आ जाएगा तो मरीजों को नहीं बचा सकता। एम्स के डॉक्टर अच्छा कार्य करते हैं और एम्स में आने वाले मरीजों को डॉक्टर से काफी उम्मीद रहती है। यहां के डॉक्टर मरीजों के प्रति काफी गंभीर रहते हैं।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि एम्स से अच्छा डॉक्टर कहीं नहीं हैं, जब किसी मरीज को गंभीर बीमारी होती है तो उसका उपचार करने के लिए डॉक्टर को कठिन निर्णय लेना पड़ता है। एम्स में सबसे पहले वह अपने परिजन का उपचार कराने के लिए आए थे और उसके बाद यहां घूमने के लिए आते थे। एम्स में आकर काफी अच्छा लगता है। दरअसल, एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने गर्व से अपने वार्षिक शैक्षणिक सम्मेलन आरडीएसीओएन 2024 की मेजबानी की। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में पेशेवरों की एक उल्लेखनीय सभा को एक साथ लाया गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम सभी उपस्थित लोगों के लिए एक ज्ञानवर्धक और विचारोत्तेजक अनुभव साबित हुआ। डॉक्टरों को इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ द्वारा दिया गया मुख्य भाषण था। उन्होंने समाज में उनकी पूरक भूमिकाओं को रेखांकित करते हुए चिकित्सा और कानूनी व्यवसायों के बीच आवश्यक सहयोग पर जोर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों पर भी बात की, व्यक्तिगत उपाख्यानों को साझा किया और स्वास्थ्य देखभाल में समावेशिता के महत्व पर जोर दिया। डाक्टरों को पूरी जिम्मेदारी से अपनी भूमिका समाज को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने में निभाना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सत्ताकामी राजनीति में अतृप्त आत्माएं

विश्वनाथ सचदेव

पहले टिकट के लिए और फिर चुनाव जीतने के लिए भटकते उम्मीदवारों की राजनीति के बारे में तो अक्सर सुनते रहे हैं, पर अब देश की राजनीति में भटकती आत्माओं ने भी प्रवेश कर लिया है। यह खोज करने का श्रेय भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को जाता है। पुणे की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने श्रोताओं को बताया कि यह भटकती आत्माएं वे हैं जिनकी इच्छाएं पूरी नहीं होती तो वे दूसरों के काम खराब करने लगती हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसी किसी आत्मा का नाम तो नहीं लिया, पर यह समझना किसी के लिए भी मुश्किल नहीं था कि उनका निशाना किस पर है। बिना नाम लिये ही प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पैंतालीस साल पहले महाराष्ट्र में कौन-सी आत्मा ने इस तमाशे की शुरुआत की थी। पैंतालीस साल पहले महाराष्ट्र के तब के युवा नेता शरद पवार ने राज्य की कांग्रेस सरकार में विद्रोह कराया था और वे राज्य में सबसे युवा मुख्यमंत्री बन गये थे।

तब से लेकर आज तक शरद पवार कई पार्टियां बना-बिगाड़ चुके हैं। इस दौरान यह बात भी कई बार सामने आई कि पवार स्वयं प्रधानमंत्री बनने का सपना देखते रहे थे। उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो पायी, और अब इसकी कोई संभावना भी नहीं दिख रही। प्रधानमंत्री मोदी ने इसी बात पर निशाना साधते हुए हमारी राजनीति की अतृप्त आत्माओं के भटकने वाली बात कही है। प्रधानमंत्री के निशाने पर भले ही शरद पवार रहे हों, पर हमारी आज की राजनीति की यह एक कड़वी सच्चाई है कि 'अतृप्त आत्माएं' लगातार भटकती फिर रही हैं। जिस तरह से, और जिस गति से आज यह भटकाव दिख रहा है, वह साफ-सुथरी और सकारात्मक राजनीति की अपेक्षा करने वालों के लिए आश्चर्य और पीड़ा का विषय होना चाहिए। दल-बदल हमारी राजनीति का एक स्थाई मुद्दा बन चुका है। सच बात तो यह है कि अब यह एक ऐसी बीमारी बन चुका है जिसका शिकार हर राजनीतिक दल हो रहा है। था कोई जमाना जब अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए दल बदल करने वाले को घटिया राजनीति का उदाहरण माना जाता था, उसे घटिया नजर से देखा जाता था।

बहुत ज्यादा उदाहरण नहीं दिखते थे इस बात के। पर अब ऐसी कोई बात नहीं रही। अब न दल बदलने वाले को शर्म आती है और न ही किसी राजनीतिक दल को इस बात की कोई चिंता है कि उस पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगता है। हमारी राजनीति की इन भटकती आत्माओं का ताजा उदाहरण सूरत और इंदौर में देखने को मिला है। सूरत में कांग्रेस के एक प्रत्याशी पर जान-बूझकर अपना नामांकन पत्र रद्द करवाने का आरोप लगा है और इंदौर में ऐसे ही एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस ले लिया है! दोनों ही प्रत्याशी, सुना है, सत्तारूढ़ दल भाजपा का दामन थाम कर अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित महसूस कर रहे हैं! सच तो यह है कि भटकती आत्माओं को अपने दामन की सुरक्षा का अहसास देने वाले दल को भी अपने कृत्य पर कोई शर्म नहीं आती। हैरानी तो इस बात पर भी होती है कि दस साल तक पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने और 'अबकी बार चार सौ पार' का नारा लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी को ऐसी अतृप्त आत्माओं की जरूरत महसूस हो रही है! स्पष्ट है, हमारी राजनीति आज सत्ताकामी बनकर रह गयी है। सेवा के लिए राजनीति अब सिर्फ एक जुमला है। आये दिन हमारे राजनेता नए-नए जुमले उछाल रहे हैं। राजनीतिक दल लंबे-चौड़े घोषणापत्र जारी कर रहे हैं, नए-नए नाम देकर इन घोषणापत्रों को भरोसेमंद बनाने के दावे कर रहे हैं। हैरानी की बात तो यह भी है कि जहां तक दस साल तक राज करने के बाद भी सत्तारूढ़ दल अपने किये काम की दुहाई देने की बजाय प्रतिपक्षी की कथित कमियों के नाम पर वोट मांग रहा है, वहीं प्रतिपक्ष कोई वैकल्पिक कार्यक्रम नहीं दे रहा। कुल मिलाकर हमारा विपक्ष सत्तारूढ़ दल के आरोपों

के उत्तर देने, या फिर स्वयं को बेहतर कहने तक ही सीमित लग रहा है। दोनों ही पक्ष यह तो कहते हैं कि वे जनता के हित की राजनीति में विश्वास करते हैं, पर, दुर्भाग्य से, जनता को यह विश्वास दिलाने में असफल सिद्ध हो रहे हैं कि सत्ता पाने के अलावा भी उनका कोई लक्ष्य है।

भटकती आत्माओं जैसे जुमले उछाल कर तालियां तो बटोरी जा सकती हैं, इन आत्माओं की तृप्ति के लिए आश्वासन भी दिये जा सकते हैं, लेकिन जनता के हितों को साधने वाली राजनीति का दुर्भाग्य से, अभाव अब ज्यादा खलने लगा है। हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, अगड़ी जाति-पिछड़ी जाति जैसे मुद्दों को उछालकर आज जो राजनीति की जा रही है, वह भविष्य के प्रति किसी प्रकार की आशाएं जगाने वाली तो नहीं ही है। सुना है किसी चुनावी सभा में कांग्रेसी नेता ने राजों-महाराजों के अत्याचारों की दुहाई दी थी। पलटवार प्रधानमंत्री की तरफ से हुआ।

छात्र आंदोलन और अमेरिकी सख्ती पर सवाल

पुष्परंजन

अमेरिका में चुनाव तक गजा का सवाल विश्वविद्यालयों में गूंजता रहेगा। इसकी गूंज फ्रांस के शिक्षा केंद्रों में भी होने लगी है। क्या भारत में इसका 'वायरस' फैलने वाला है? यह सवाल देश के कई कैंपसों से मिलना बाकी है। पिछले हफ्ते पेरिस के एक शीर्ष विश्वविद्यालय 'साइंसेज-पो' में अमेरिका की देखादेखी फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शन शुरू हुआ। इमैनुएल मैक्रों इस प्रदर्शन से इतने नाराज हुए कि 'साइंसेज-पो' की फंडिंग ही निलंबित कर दी। 'साइंसेज-पो' में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनके प्रधानमंत्री गाब्रिएल अट्टल पढ़ाई कर चुके हैं। लेकिन ऐसा फैसला लेते समय मैक्रों ने इसका लिहाज नहीं किया। गजा में जारी युद्ध, फ्रांस के लिए संवेदनशील मुद्दा है। फ्रांस पश्चिमी यूरोप के यहूदियों और प्रवासी मुसलमानों के लिए घर जैसा है, इसलिए दोनों तरफ से टकराव की स्थिति बनी रहती है।

फ्रांस के धुर वामपंथी एलएफआई (ला फ्रांस इंसोमाइज) के सांसदों ने छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। मई दिवस के दिन ज्यों लुक मेलेन्कोल ने रूढ़िवादियों और मैक्रों सरकार के अवसरवादी व्यवहार की आलोचना की है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री गाब्रिएल अट्टल ने कहा कि बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है, लेकिन 'साइंसेज-पो' के शैक्षिक माहौल को अवरुद्ध करने वाले अल्पसंख्यक छात्र, बहुसंख्यकों पर अपने विचार थोप रहे थे। ऐसी विचारधारा को हम 'अटलांटिक पार से आयातित' कह सकते हैं। लेकिन इस समय ज़ेरे बहस जो बाइडेन हैं, जिनके चुनाव के समय अमेरिकी विश्वविद्यालयों में जोरदार प्रदर्शन हो रहे हैं। 1 मई तक अमेरिका के 30 से अधिक कैंपसों में हुए प्रदर्शनों में 1400 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किये गये हैं। गज़ा में नरसंहार रोकने के सवाल पर लगातार हुए प्रदर्शन को रोकने के वास्ते, और यहूदी विरोधी भावना से निपटने के लिए अमेरिकी कांग्रेस में बुधवार को एक विधेयक पास हुआ।

इसके पक्ष में 320 सांसद थे, और विरोध में 91. इक्कीस रिपब्लिकन और 70 डेमोक्रेट्स ने इसके खिलाफ मतदान किया था। बहुसंख्यक अमेरिकी जनता युद्धविराम के पक्ष में है, बावजूद इसके जो बाइडेन की ज़िद कहिए, कि अमेरिका इस्राइल का समर्थन कर रहा है। इस समय न्यूयार्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में तनाव की स्थिति है। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में इस्राइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने छात्र प्रदर्शनकारियों की निंदा की। गिलाद एर्दान ने कहा, 'हम हमेशा से जानते थे कि हमास स्कूलों में छिपा है, हमें यह अहसास ही नहीं हुआ कि यह सिर्फ गाजा के स्कूलों में नहीं है, बल्कि अमेरिका में हार्वर्ड, कोलंबिया जैसे कुलीन विश्वविद्यालय भी इनके केंद्र हैं।' व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि छात्रों द्वारा एक शैक्षणिक भवन पर कब्जा करना बिल्कुल गलत है। इसे शांतिपूर्ण विरोध हम कतई नहीं कह सकते। डेमोक्रेट जमाल बोमन, जो कोलंबिया विश्वविद्यालय के पास न्यूयॉर्क जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने इसे रोकने का आह्वान किया।

बोमन ने एक बयान में कहा, 'कॉलेज परिसरों का सैन्यीकरण, पुलिस की व्यापक उपस्थिति और सैकड़ों छात्रों की गिरफ्तारी, हमारे लोकतंत्र की बुनियाद के बरअक्स है। विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके को लेकर कोलंबिया की अध्यक्ष मिनोचे शफीक ने हिंसा की निंदा की और कहा कि कैंपस में शैक्षणिक स्वतंत्रता सुनिश्चित होनी चाहिए। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में जब टैंट गाड़कर प्रदर्शनकारी अड़ गये, और पुलिस ने उसे खाली कराने के लिए जिस तरह से बल प्रयोग किया, उसे कोई भी अमन पसंद व्यक्ति सराह नहीं सकता। अमेरिका में प्रदर्शनकारियों को दोनों हाथों को पीछे कर हथकड़ी लगाकर ले जाने वाले विजुअल्स पूरी दुनिया देख रही है। वह किसी भी लोकतंत्रकामी को रास नहीं आ सकता। वही अमेरिका भारत को लोकतंत्र की नसीहत देता है। अफसोस, अमेरिका की बर्बर और बेहिस पुलिस पर सवाल करने की मनाही है। वर्ष 2005 में पेंटागन से वाशिंगटन डीसी के बाल्टीमोर तक मेट्रो के सफर को भूला नहीं हूं, जब बर्गर खा रहे एक स्कूली छात्र को पुलिस हथकड़ी लगाकर ले गई। अमेरिका में छोटी-छोटी बातों पर पुलिस द्वारा पिस्तौल तान देना, पटककर पीछे से हथकड़ी लगा देना सामान्य-सी बात है। भारत में जघन्य आपराधिक मामलों वाले अभियुक्त को ही हथकड़ी लगाने का कोर्ट आदेश मिलता है। 80 के दशक में साधारण अपराध मामले में हथकड़ी पर रोक लगा दी गई थी।

उमर खालिद को हथकड़ी लगाने के आवेदन को रद्द करते हुए दिल्ली की अदालत ने टिप्पणी की थी कि उमर कोई गैंगस्टर नहीं है। तो क्या लोकतंत्र का चौधरी बने अमेरिका को भारत से नसीहत लेने की जरूरत है? गज़ा के दमन चक्र के सवाल पर अमेरिकी कैंपस कुछ हफ्तों से छिटपुट प्रदर्शनों की चपेट में थे। लेकिन 22 अप्रैल, 2024 को यह प्रदर्शन फैल गया, जब न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, येल विश्वविद्यालय, एमर्सन कॉलेज, मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और टफ्ट्स विश्वविद्यालय सहित पूर्वी तट के कई परिसरों पर छात्रों ने टैंट लगाकर कब्जा करना शुरू कर दिया। 40 से अधिक कैंपसों में 'प्रोटेस्ट कैंप' लगा देखकर सरकार के हाथ-पांव फुल चुके थे। प्रदर्शन स्थल पर टेंट गाड़ देने से जो बाइडेन प्रशासन की भृकुटि तन चुकी थी। कोलंबिया विश्वविद्यालय में तीन समूहों ने पिछले बुधवार को

गर्मी में बदलें खानपान

बच्चों से बुजुर्गों तक को दें ये आहार

गर्मियों का आगाज हो गया है। ऐसे में आपको सभी की सेहत को ध्यान में रखते हुए खान-पान में भी बदलाव करने होंगे, जैसे-जैसे मौसम में परिवर्तन आता है, अपनी सेहत का ख्याल रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। इसलिए सभी को इस समय अपने खान-पान में जरूरी बदलाव करने चाहिए। आजकल की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग रहने की आवश्यकता है। ऐसे में व्यायाम और आहार में पोषक तत्वों को शामिल करके आप अपनी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रख सकती हैं। आमतौर पर गर्मियों के मौसम में उल्टी, दस्त और डिहाइड्रेशन जैसी कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं, इसलिए इस मौसम में हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन करना चाहिए। ठंडे तरल पदार्थों का सेवन करना अधिक लाभकारी होता है।

हाइड्रेटेड रहने की जरूरत

गर्मियों में उच्च तापमान के कारण हमारे शरीर से पानी अधिक मात्रा में निकल जाता है, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए सही खान-पान से जल की आपूर्ति को बनाए रखना आवश्यक है। इसके लिए आप तरल पदार्थों में नींबू की शिकंजी, लस्सी, ठंडाई, नारियल पानी, आम पन्ना, बेल का शरबत आदि का सेवन करें। घर में बने ये पेय आपके शरीर में विटामिन्स का उचित स्तर बनाए रखने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा आप घर से बाहर निकलते समय पानी पीकर ही निकलें और अपने साथ पानी की एक बोतल जरूर रखें। इससे आपको डिहाइड्रेशन की कभी कोई परेशानी नहीं होगी।

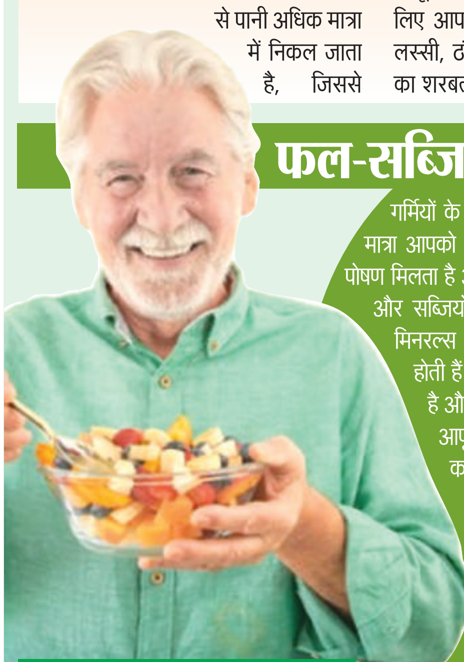

फल-सब्जियों का सेवन

गर्मियों के भोजन में पोषक तत्वों की अधिक मात्रा आपको मिलनी चाहिए। इससे शरीर को सही पोषण मिलता है और आप स्वस्थ रहती हैं। गर्मियों में फल और सब्जियों की आपूर्ति बढ़ जाती है, जो विटामिन, मिनरल्स और अन्य पोषक तत्वों का एक अच्छा स्रोत होती हैं। गर्मियों में हमें अधिक पानी की जरूरत होती है और फल एवं सब्जियां भी इस जरूरत की भरपूर आपूर्ति करती हैं। इसलिए अधिक फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। फलों में तरबूज, ककड़ी, केला, संतरा, आम और नारियल पानी का सेवन अच्छा रहता है। वहीं, सब्जियों में टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च आदि शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ ही जरूरी पोषण तत्व भी प्रदान करती हैं।

वृद्धों की थाली

इस उम्र के लोगों में प्रोटीन की पूर्ति के लिए प्रोटीन स्रोतों को शामिल करें, जैसे कि स्किम्ड दूध, दही, रायता, छाछ, पनीर, अंडे और बिना छिलके वाली दालें। विटामिन, मिनरल्स और फाइबर के लिए अनेक प्रकार के सीजनल फल और हरी सब्जियां शामिल करें और अनाजों को शामिल करें, जैसे कि चावल, दलिया और अन्य अनाज। इनके लिए रात का भोजन विशेष रूप से हल्का और सुपाच्य होना चाहिए। यदि हो सके तो इस समय सप्ताह में दो-तीन बार इन्हें खिचड़ी का सेवन जरूर कराएं।

दूध से बनी चीजें

गर्मियों में ठंडा दूध और दूध से बनी चीजें, जैसे कि दही, छाछ, लस्सी का सेवन जरूर करती रहें। ये आपके शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाकर इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। गर्मियों में बच्चे, बुजुर्ग और धूप में काम करने वाले लोगों पर ज्यादा बुरा असर होता है। तेज धूप से शरीर में पानी और नमक की कमी हो सकती है, जिससे डिहाइड्रेशन, थकावट और लो ब्लड प्रेशर जैसी परेशानियां हो जाती हैं। गर्मियों में हर उम्र वर्ग के लोगों को अपना ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि तापमान और गर्मी बढ़ने से हमारा शरीर तनाव में चला जाता है, जो कि चिड़चिड़ेपन, अनिद्रा, स्किन सेंसिटिविटी और विटामिन-मिनरल की कमी को बढ़ावा दे सकता है। इसलिए आपको विभिन्न उम्र वर्ग के लोगों के आहार में क्या परिवर्तन करने चाहिए, इसके बारे में पूरी तरह पता होना चाहिए।

युवा की थाली

प्रोटीन मांस, मछली, अंडे, दाल, सोया, मिल्क प्रोडक्ट, जैसे कि दही और पनीर इन्हें जरूर दें। इससे इनके शरीर में प्रोटीन की कमी नहीं होगी। इसके अलावा पोषण तत्वों की पूर्ति के लिए हरी-भरी पत्तेदार सब्जियां और फलों को शामिल करें। फाइबर और विटामिन के लिए अनाज, जैसे कि ब्राउन राइस, गेहूं और अन्य मोटे अनाज, जैसे कि ज्वार, बाजरा, जौ, रागी आदि को इनकी डाइट में शामिल करना सबसे ज्यादा जरूरी है।

बच्चों की थाली

बच्चों के शरीर में अधिकतम पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए उनके आहार में अनेक प्रकार के रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों को शामिल करें। छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त प्रोटीन के स्रोत दूध, दही, पनीर, अंडा और दाल आदि ही होते हैं, इसलिए उनकी डाइट में इनको जरूर शामिल करें। साथ ही उन्हें ड्राई फ्रूट्स भी जरूर खिलाती रहें, जिससे उन्हें भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स मिल सकें। बच्चों को सेहतमंद अनाज, जैसे कि दलिया, चावल, रोटी और खासतौर से मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थों का भी सेवन छोटी उम्र से ही कराएं, क्योंकि बढ़ती उम्र में शरीर को पर्याप्त पोषक तत्वों का मिलना जरूरी माना जाता है।

हंसना मना है

पति - जब हमारी नई-नई शादी हुई थी, तब तुम कितना तहजीब से बोलती थी... और अब... पत्नी - पहले मैं रामायण देखती थी और अब क्राइम पेट्रोल देखती हूं...!!!

पतिदेव - बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए...! बाबाजी - बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी...!!!

मां- किससे बात कर रहा है, इतनी रात को... बेटा - कियारा की मां से... मां - अब ये कियारा कौन है... बेटा - तुम्हारी होने वाली पोती...!!! फिर मां ने रात में ही उतारा बेटे के इश्क का भूत...

एक एयरलाइंस ने एक अनोखी योजना शुरू की...आप टिकट खरीदें, साथ में आपकी पत्नी का टिकट मुफ्त! इस योजना में भारी सफलता मिलने के बाद कंपनी ने सारी पत्नियों को फोन करके पूछा- यात्रा कैसी रही...? सभी का एक जैसा ही जवाब था- कौन सी यात्रा...!!!

कहानी — बर्फ की रानी

सालों पहले दुमका नगर में जेक नाम का एक बुरा लड़का रहता था। वह एक तरह का शैतान था। एक दिन उसने एक ऐसा जादुई शीशा बनाया, जिसमें सारी अच्छी चीजें बहुत छोटी और सभी बुरी व गंदी चीजें दस गुना बड़ी दिखती थीं। उसके इस जादुई शीशे में सुंदर शहर भी गंदे और डरावने दिखते थे। वहां के सुंदर लोग भी गंदे और डरावने लगते थे, क्योंकि उस आईने में उनकी छोटी-से-छोटी चोट भी बड़ी और खतरनाक दिखती थी। सभी खुद को इस तरह देखकर घबरा जाते थे। लोगों को घबराया हुआ देखकर उस शैतान लड़के को बहुत मजा आता था। वह अपने शीशे के इस जादू से बहुत खुश होता था। उसने शहर में अपने जैसे ही बुरे लोगों का एक समुदाय बना लिया था। वह पूरी दुनिया के अच्छे लोगों को उस शीशे में कैद करके अपने समुदाय में शामिल करने की कोशिश कर रहा था। ऐसा सोचकर वह रोज नए-नए शहर जाता और अच्छे लोगों को शीशा दिखाकर उन्हें कैद करके अपने शहर पहुंचा देता था। सभी जगहों पर जाकर उसने लोगों को शीशे में कैद कर लिया। अब ऐसा समय आ गया था कि कहीं भी कोई अच्छा इंसान ही नहीं बचा। सब उस शीशे में कैद हो चुके थे। अब उसके मन में हुआ कि क्यों न शीशे को स्वर्ग लोक ले जाकर परियों को कैद किया जाए। यह सोचते ही वह स्वर्ग लोक के लिए निकल गया। इस शीशे की खास बात यह थी कि ऊंचाई में यह हाथों से तेजी से छूट जाता था। इस कारण उसे वह ज्यादा ऊपर नहीं ले जाते थे, लेकिन आज वो किसी तरह इसे ऊंचाई पर ले गया। जैसे ही शीशा थोड़ी ऊंचाई पर पहुंचा वो उसके हाथों से फिसलकर जमीन पर गिर गया और उसके लाखों टुकड़े हो गए। ऐसा होने से उस शीशे का बुरा प्रभाव बहुत तेजी से फैलने लगा। उस कांच के कुछ टुकड़े धूल की तरह उड़ने लगे और दुनिया के हर कोने में पहुंच गए। जब वह शीशा धूल के साथ लोगों की आंखों में पहुंचा, तो उन्हें सब कुछ बुरा दिखने लगा। इस कांच के टुकड़े कुछ लोगों के दिल में भी लग गए। यह जिनके भी दिल में लगा, उनके अंदर कोई अच्छी भावना ही नहीं बची। दुनिया में इस तरह से बुराई को बढ़ता देख, वह शैतान लड़का बहुत खुश होने लगा। इस तरह दुनिया के कोने-कोने में उस कांच के टुकड़े उड़ रहे थे।

कहानी से सीख- बुराई बहुत तेजी से फैलती है, इसलिए इससे खुद को बचाकर रखना चाहिए।

7 अंतर खोजें

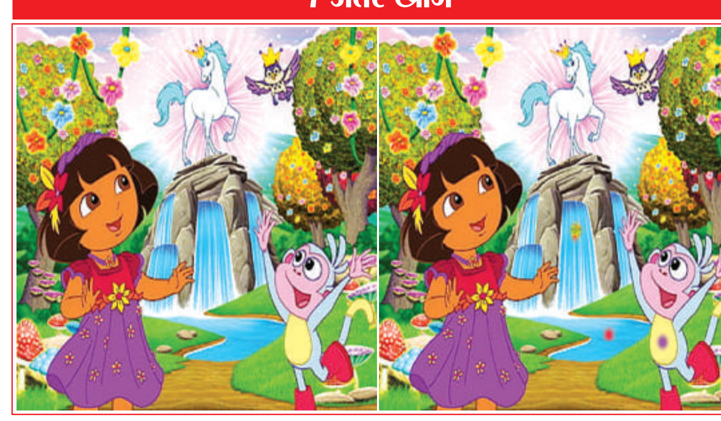

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ — शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है।

सिंह — पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या — आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला — प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक — राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर — राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ — आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन — पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

करीना ने टॉक्सिक को किया बाय बाय

करीना कपूर खान यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस का नाम फिल्म से पिछले साल से ही जोड़ा जा रहा है। करीना कपूर फिल्म में यश की ऑन-स्क्रीन बहन की भूमिका निभाने वाली थीं। वहीं अब खबर आ रही है कि एक्ट्रेस इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनेंगी।

सूत्रों के हवाला से आई खबर एक अनुसार, 'करीना कपूर की डेट्स टॉक्सिक के लिए यश की डेट्स से मैच नहीं हो पा रही थीं। कई बार शेड्यूल बनाने के बाद भी निर्माताओं को कोई डेट्स नहीं मिल सकी। सूत्र ने आगे कहा, 'टॉक्सिक में एक भाई-बहन के रिश्ते को दिखाया जाना है और बहन का किरदार कहानी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिसके लिए उन्हें एक बड़े चेहरे की जरूरत है। निर्माता इस भूमिका के लिए पैन इंडिया उपस्थिति वाली एक्ट्रेसेस को फिल्म का हिस्सा बनाना चाह रहे हैं।

जहां करीना ने फिल्म छोड़ दी, वहीं अफवाहें ये भी सुनने में आ रही है कि कियारा आडवाणी फिल्म का हिस्सा हैं। सूत्रों के अनुसार, कियारा फिल्म में अहम भूमिका निभाती नजर आने वाली हैं। फिल्म में तीन मुख्य कलाकार होंगे। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में तीन एक्ट्रेसेस होंगी, जिनमें करीना कपूर खान और कियारा का नाम शामिल है। लेकिन अब इसकी कास्ट कास्ट में फेरबदल होने की खबरें हैं और नए अपडेट के लिए हमें इंतजार करना होगा।

संजय लीला भंसाली के मुरीद हुए फरदीन खान

हीरामंडी से वापसी कर रहे फरदीन खान ने कहा कि उन्होंने और फिल्म निर्माता ने धूम्रपान छोड़ने के बारे में बात की। फरदीन खान पीरियड ड्रामा सीरीज पर एक पैनल डिस्कशन में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। जब फरदीन से फिल्म मेकर भंसाली संग ऑन और ऑफ कैमरे के बॉन्डिंग को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, वह पैशनेट हैं और वह जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। अगर वह आपके साथ तालमेल बिठाते हैं तो वह आपको अपने वर्किंग प्रोसेस में इनवाइट जरूर करेंगे और वह आपकी बात सुनेंगे। चीजें इसी तरह होनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मुझे इतने पैशनेट फिल्म निर्माता के साथ काम करने का कभी मौका नहीं मिला था, मुझे फिल्मों के अलावा किसी और चीज पर उनके साथ ज्यादा बातचीत करने का मौका नहीं मिला है। लेकिन फिर भी, हमने पालतू जानवरों, धूम्रपान छोड़ने और माताओं के बारे में बात की। धूम्रपान छोड़ने पर फरदीन ने संजय लीला भंसाली के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा, मैंने धूम्रपान छोड़ दिया, वह धूम्रपान छोड़ना चाहते हैं, इसलिए हमने इस बारे में बातचीत की। संजय लीला भंसाली की तारीफ करते हुए, फरदीन ने कहा, मैंने सोचा भी नहीं था कि वह फिल्में बनाने के अलावा कुछ और कर सकते हैं। अपने जीवन में कभी-कभी आप ऐसे लोगों से मिलते हैं जो अपने काम में माहिर होते हैं। वह एक ऐसे ही व्यक्ति हैं। वह सच्चे मास्टर हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख खान ने लिया फिल्मों से ब्रेक

शाहरुख खान ने बीते वर्ष पर्दे पर खूब धमाल मचाया है। उन्होंने करीब 5 साल बाद 2023 में फिल्म पठान से कमबैक किया था। उनकी इस फिल्म को दुनियाभर के चाहने वालों के बीच इतना प्यार मिला कि इसने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड्स कायम किए। इस सफलता के कुछ ही महीनों बाद उनकी अगली फिल्म जवान और फिर डंकी भी बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाका किया। ऐसे में कह सकते हैं कि बीता साल शाहरुख के लिए बहुत शानदार रहा। हालांकि, अब एक्टर कुछ समय का ब्रेक चाहते हैं। एक साल में ही 3 जबरदस्त हिट फिल्में देने के बाद शाहरुख ने खुद को लेकर एक बड़ा फैसला किया है। उन्होंने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें अब थोड़े ब्रेक की जरूरत है। शाहरुख ने कहा कि पिछले कुछ समय से लगातार काफी काम कर रहे थे, लेकिन फिलहाल वह अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को वक्त देना चाहते हैं। शाहरुख ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब थोड़ा आराम कर सकता हूं। मैं तीन फिल्में कर चुका हूं। इसमें काफी फिजिकल वर्क किया गया है। इसलिए मैंने कह दिया कि मैं कुछ समय के लिए छुट्टी लूंगा। मैंने पूरे टीम से कहा है कि मैं मैच देखने जाऊंगा। शाहरुख ने अपनी बात पूरी करते हुए बताया कि वह IPL के लिए फिल्मों से ब्रेक ले रहे हैं। उन्होंने काम पर वापसी के समय का भी खुलासा किया है। किंग खान ने कहा, किस्मत की बात है कि अब शूटिंग भी जुलाई या अगस्त में हैं। जून से भी हो सकती है, लेकिन अभी तो मैं मैचेस के लिए बिल्कुल फ्री हूं और मुझे इसकी बहुत खुशी है। दूसरी ओर शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो जल्द ही उन्हें फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में देखा जाने वाला है। इस फिल्म में उनके साथ सुपरस्टार सलमान खान भी नजर आने वाले हैं। इसके अलावा शाहरुख के पास किंग टाइटल से बन रही फिल्म भी पाइपलाइन में हैं।

क्या ट्रेन का चालक अपने मन से स्पीड घटा या बढ़ा सकता है?

जब भी हम ट्रेन से सफर करते हैं, तो कई बार स्पीड इतनी धीमी होती है जिसे लेकर गुस्सा भी आता है। जब भी हम लेट हो रहे होते हैं तो यही लगता है कि काश चालक ट्रेन की गति बढ़ा देता। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या ट्रेन का चालक अपने मन से ट्रेन की स्पीड घटा या बढ़ा सकता है? भारतीय रेलवे में चीफ इंजीनियर रहे एक शख्स ने इसके बारे में विस्तार से बताया है। यकीन मानिए इसे पढ़ने के बाद आप ट्रेन लेट होने के लिए कभी भी चालक को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे। खुद को भारतीय रेलवे में चीफ इंजीनियर बताने वाले अनिमेष कुमार सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म कोरा पर इसके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, लोको पायलट यानी ट्रेन का चालक स्पीड घटाने या बढ़ाने में अपने विवेक का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन इसकी भी सीमा तय है। सामान्यतः लोको पायलट के लिए तीन स्पीड तय की जाती है। पहली बुक्ड स्पीड। दूसरी अधिकतम निर्धारित गति और तीसरी प्रतिबंधित गति। अब आप इसे एक उदाहरण से समझिए। आम तौर पर मेल या एक्सप्रेस ट्रेन की अधिकतम निर्धारित गति 110 किलोमीटर प्रतिघंटे होती है। लेकिन बुक्ड स्पीड 100 रखी जाती है। यानी बुक्ड स्पीड अधिकतम तय गति से 10 फीसदी कम होती है। इसलिए ज्यादातर लोको पायलट 100 के स्पीड पर ट्रेन चलाएंगे। अगर ट्रेन लेट हो, तो वे अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए 110 की स्पीड तक ट्रेन ले जा सकते हैं। अब यह लोको पायलट के विवेक पर है कि बुक्ड स्पीड यानी 100 kmph और अधिकतम गति 110 kmph के बीच लोको किस स्पीड से ट्रेन लेकर जाता है। अगर उसे कहीं झटका महसूस होता है, तो वह गति कम कर सकता है। अगर कहीं कोहरा आदि की वजह से विजिबिलिटी बाधित होती है तो भी लोको पायलट को स्पीड तय करने का अधिकार है। ट्रैक पर काम हो तब पुराने पुल से गुजरते समय और ज्यादा कर्व होने पर लोको पायलट 100 की स्पीड से ट्रेन नहीं चला सकता। उसे कम यानी प्रतिबंधित स्पीड पर ही ट्रेन चलानी होगी। वह 45 किलोमीटर की स्पीड पर ले जा सकता है। इन जगहों को स्पीड रेस्ट्रिक्शन एरिया कहा जाता है। यहां तक कि मेल, एक्सप्रेस और राजधानी, शताब्दी ट्रेनों के ड्राइवर भी इसी नियम का पालन करते हैं, वे चाहें तो इससे कम गति पर ले जा सकते हैं, लेकिन इससे ज्यादा स्पीड नहीं रख सकते।

अजब-गजब | पांच हजार साल पुराना है मंदिर, इंद्र ने यहां बनायी थी खाई

शिवलिंग नहीं यहां होती है अंगूठे की पूजा

देश में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों के साथ हजारों लाखों मंदिर हैं। ज्यादातर में शिवलिंग और कुछ में मूर्ति। इनमें से कई के पीछे पौराणिक कहानी और किंवदंतियां हैं। राजस्थान के सिरोही जिले में एक ऐसा दुर्लभ शिव मंदिर है जहां भोलेनाथ के अंगूठे की पूजा होती है। हम बात कर रहे हैं माउंट आबू के अचलगढ़ स्थित अचलेश्वर महादेव मंदिर की। इस मंदिर का इतिहास 5 हजार वर्ष पुराना बताया जाता है। माउंट आबू ऋषि वशिष्ठ की तपस्थली है। इस मंदिर के बारे में शिवपुराण और स्कंद पुराण के अर्बुद खंड में भी उल्लेख है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर हाथी की 2 मूर्तियां बनी हुई हैं। अंदर मुख्य मंदिर के अलावा कई छोटे मंदिर हैं। मुख्य मंदिर के सामने प्रवेश द्वार पर पंचधातु की नंदी की प्रतिमा है, जो करीब 4 टन वजनी है। मुख्य मंदिर में एक शिलालेख लगा है।

मुख्य मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग हैं। आसपास कई प्राचीन प्रतिमाएं स्थापित हैं। गर्भ गृह में अर्बुद नाग की प्रतिमा के बीच में गहरी खाई बनी हुई है। इस खाई के अंदर भगवान शिव के अंगूठे की पूजा होती है। इस खाई में जितना भी जल अर्पित किया जाता है, ये खाई कभी भरती नहीं है। गर्भगृह में महाराजा कुम्भा द्वारा स्थापित कालभैरव

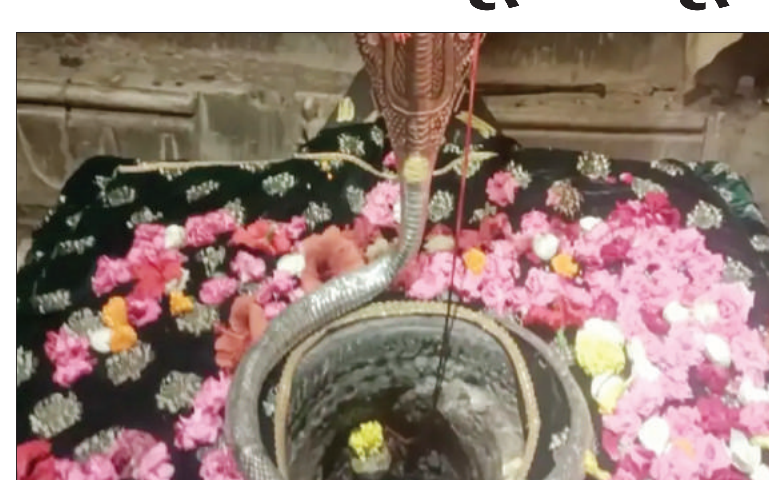

समेत कई देव प्रतिमाएं हैं। मंदिर के पुजारी पन्नालाल रावल ने बताया मंदिर हजारों वर्ष पुराना है। इंद्रदेव ने यहां एक ब्रह्म खाई बना दी थी। वशिष्ठ आश्रम में नंदिनी गाय रहती थी। जो खाई में गिर जाती थी। ऋषि ने देवी सरस्वती का आह्वान कर गाय को बाहर निकाला। आज भी वशिष्ठ आश्रम में गाय के मुख से जलधारा बहती है। देवों ने ऋषि से कहा आपके आश्रम के बाहर गहरी खाई है, इसका कोई उपाय करो। तब अर्बुदांचल पर्वत और अर्बुद नाग को लाकर ब्रह्म खाई पर स्थापित किया गया। बाद में भूकम्प आने लगे, तो देवता ऋषि वशिष्ठ के पास गए। ऋषि ने समाधि ध्यान कर देखा कि महादेव के यहां नहीं होने से अर्बुद नाग के हिलने-डुलने की वजह से यहां भूकम्प आ रहे थे। तब यहां भगवान शिव के अंगूठे को स्थापित किया गया। तब से अर्बुदांचल पर्वत यहां अचल हो गया। इसलिए इस मंदिर का नाम भी अचलेश्वर हो गया।

2014 से पहले पुंछ क्षेत्र में आतंकवाद पर था नियंत्रण : जयराम रमेश

बोले- चार जून के बाद गठबंधन करेगा आतंकवाद-निरोधक ग्रिड को मजबूत

नागरिक समाज को लगातार सशक्त बनाना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि पुंछ में वायुसेना के काफिले पर हुआ हमला क्षेत्र में आतंकी हमलों की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है और लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद, पार्टी और इंडिया गठबंधन के उसके सहयोगी दल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी ग्रिड को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हम इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं और आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्र के साथ एकजुट होकर खड़े हैं। रमेश ने दावा किया कि 2007 और 2014 के बीच इस क्षेत्र में आतंकवाद की कोई बड़ी घटना नहीं हुई।

सुरनकोट आतंकवादी हमला, नियंत्रण रेखा के पास स्थित पहाड़ी राजौरी-पुंछ क्षेत्रों में विशेष रूप से सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ आतंकवादी हमलों की चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है कि एक जनवरी 2023 से अब तक राजौरी-पुंछ क्षेत्र में हमारे 25 बहादुर सुरक्षाकर्मी और आठ निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं। हमारा दृष्टिकोण धार्मिक और जातीय संबंधों से परे राजनीतिक वर्ग और नागरिक समाज को लगातार सशक्त बनाना होगा। राजौरी-पुंछ एक विशाल और पहाड़ी क्षेत्र है और वहां आतंकवादियों के खिलाफ सामूहिक सामाजिक प्रतिरोध स्थापित करने के हमारे बहादुर सुरक्षाबलों के प्रयासों का समर्थन किया जाएगा।

पूर्व सीएम चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय वायुसेना के वाहन पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले को कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने स्टंटबाजी बताया था। उन्होंने कहा था कि हमले नहीं हो रहे हैं। जब भी चुनाव आता है तो भाजपा को जिताने के लिए ऐसे स्टंट खेले जाते हैं। उनके इस बयान ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी। चरणजीत सिंह चन्नी के बयान को लेकर कांग्रेस सवालों के घेरे में आ गई है। इस बयान को लेकर भाजपा ने भी पलटवार किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय आलोक ने इसके जवाब में कहा कि देश के जवानों को लेकर घटिया राजनीति केवल कांग्रेस ही कर सकती है। भाजपा नेता अजय आलोक ने कहा, चरणजीत सिंह चन्नी का दिमाग खराब हो गया है। किसी मुख्यमंत्री की तरफ से ऐसा बयान शोभा देता है? देश के जवानों को लेकर ऐसी घटिया राजनीति केवल कांग्रेस पार्टी ही कर सकती है। यही उनका संस्कार है।

आतंकवाद के खिलाफ पार्टी देश के साथ खड़ी है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक पोस्ट में कहा कि कांग्रेस इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करती है तथा आतंकवाद के खिलाफ देश के साथ एकजुट होकर खड़ी है। खरगे ने अपने पोस्ट में कहा, सर्वोच्च बलिदान देने वाले वायुसेना के बहादुर योद्धा के परिवार के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। हम आशा करते हैं कि घायल वायु योद्धा जल्द से जल्द ठीक हो जाएं और उनके बेहतरी के लिए प्रार्थना करते हैं। भारत अपने सैनिकों के लिए एकजुट है।

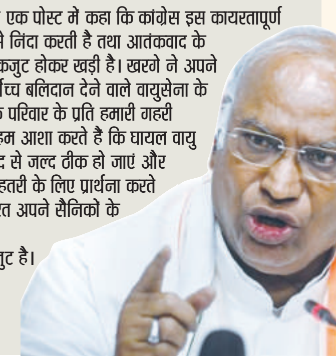

मोदी सरकार भाषाओं के साथ कर रही पक्षपात

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा घोषित करने की मांग पर कोई कार्रवाई नही की है। इसने कहा कि मराठी की 2,200 वर्षों की समृद्ध साहित्यिक परंपरा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संबंधित मांग पिछले 10 साल से मोदी सरकार के पास लंबित है। उन्होंने रेखांकित कि पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने प्रख्यात विद्वान प्रोफेसर रंगनाथ पठारे की अध्यक्षता में मराठी भाषा विशेषज्ञो की एक समिति गठित की थी। रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट मे कहा कि रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंप दी गई थी और पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने तत्कालीन संस्कृति मंत्री श्रीपद नाइक को पत्र लिखकर जुलाई 2014 मे मांग को पूरा करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया, दस साल बाद, मोदी सरकार ने इस मोर्चे पर शून्य प्रगति की है। साल 2004 से 2014 के बीच मनमोहन सिंह की सरकार ने तमिल (2004), संस्कृत (2005), कन्नड़ (2008), तेलुगु (2008), मलयालम (2013) और उड़िया भाषा (फरवरी 2014) को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया था। मोदी सरकार ने किसी भी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा नही दिया है। रमेश ने कहा कि मराठी मे 2,200 वर्षो की समृद्ध साहित्यिक परंपरा है और मराठी मे सबसे पहला शिलालेख (जिसे महाराष्ट्री प्राकृत कहा जाता है) पहली शताब्दी ईसा पूर्व का है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह निश्चित रूप से किसी अन्य भाषा की शाखा नही है और स्थानीय बोलियो से स्वतंत्र रूप से विकसित हुई है।

वाइस चांसलरों ने राहुल गांधी के खिलाफ खोला मोर्चा

200 कुलपतियों ने कांग्रेस नेता पर की कानूनी कार्रवाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, वाइस चांसलर्स की नियुक्ति पर दिये गए बयान पर घिरते नजर आ रहे हैं। देश के लगभग 200 विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर्स ने राहुल गांधी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इन्होंने साझा बयान जारी कर राहुल गांधी के आरोपों की निंदा की है। राहुल गांधी ने कहा था कि वाइस चांसलर्स की नियुक्ति योग्यता और अर्हता को ताक पर रख कर कुछ संगठनों से संबंधों के आधार पर की जा रही है।

कुलपतियों और अन्य वरिष्ठ शिक्षाविदों ने साझा बयान में इस आरोप का खंडन किया और कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से योग्यता के आधार पर हो रही है। कुलपति अपने कामकाज में संस्थाओं की मर्यादा और नैतिकता का ध्यान रखते हैं।

संघ और भाजपा वर्कर भरे जा रहे हैं : अजय राय

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति उनकी क्षमता और अनुभव के आधार पर नहीं की जा रही है, बल्कि उनकी संघ आयु (आरएसएस से जुड़ाव) देखी जाती है। संघ और भाजपा का वर्कर कीं नियुक्ति होगी तो उनमें पारदर्शिता नहीं होगी।

घड़ियाली आंसू बहा रहे मोदी : ममता

बीजेपी ने पैसे के बल पर संदेशखाली का 'झूठ' फैलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पैसे के बल पर संदेशखाली का 'झूठ' फैलाया। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''घड़ियाली आंसू बहाना'' बंद करना चाहिए, क्योंकि 'भाजपा द्वारा रची गई साजिश का खुलासा एक हालिया स्टिंग से हो गया है।' तृणमूल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह उसके उस रुख की पुष्टि करता है कि संदेशखालि प्रकरण के पीछे भाजपा का हाथ था।

उन्होंने दावा किया कि क्या कभी किसी ने सोचा था कि भाजपा इतनी गिर जाएगी कि संदेशखाली पर अफवाहें फैलाएगी? ऐसे घृणित आरोप लगाकर पश्चिम बंगाल की माताओं का अपमान न करें। हमारी पार्टी के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए पैसे की पेशकश करके राज्य की महिलाओं का अपमान करने का साहस मत करो।' बनर्जी ने आरोप लगाया, 'वीडियो पर भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया देखकर यह स्पष्ट था कि वे डरे हुए हैं।' उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं समेत किसी भी व्यक्ति ने कोई गलत काम किया है, तो पार्टी और राज्य सरकार हमेशा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने में तत्पर रहती है, चाहे वे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों।

तृणमूल ने वीडियो जारी कर भाजपा की साजिश खोली

तृणमूल ने कथित वीडियो जारी किया, जिसमें संदेशखालि में भाजपा के मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले गंगाधर कायल को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस द्वारा साझा किए गए वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं हो पाई है। बोलपुर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद शताब्दी रॉय के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया, '(इस) झूठ की साजिश भाजपा ने रची और इसने कुछ लोगों को झूठ बोलने के लिए पैसे दिये।

केकेआर से हार के बाद एलएसजी मायूस

अंकतालिका में कोलकाता शीर्ष पर लखनऊ टॉप-4 से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स ने आईपीएल 2024 के 54वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को 98 रन के विशाल अंतर से मात दी और अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। केकेआर ने इसी के साथ राजस्थान रॉयल्स की बादशाहत को खत्म किया। केकेआर की 11 मैचों में यह आठवीं जीत रही। केकेआर की जीत से राजस्थान रॉयल्स की बादशाहत खत्म हुई, जो एक स्थान के नुकसान के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है।

राजस्थान ने 10 मैचों में 8 मैच जीते हैं। संजू सैमसन के नेतृत्व वाली राजस्थान मंगलवार को जब दिल्ली के खिलाफ मैदान संभालेगी तो उसके पास शीर्ष पर पहुंचने का मौका होगा। आईपीएल 2024 में सोमवार को मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है और उसकी कोशिश सनराइजर्स हैदराबाद का खेल बिगाड़ने की होगी। हैदराबाद अगर मुंबई से मुकाबला हारा तो उसे अपने अगले तीन मैचों में कम से कम दो जीत की जरुरत रहेगी। आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में जगह पाने की रेस रोमांचक हो रही है और यही वजह है कि प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण बनते जा रहा है। आने वाले मैचों में समीकरण में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिल सकते हैं।

हैदराबाद को मिला फायदा

चेन्नई सुपरकिंग्स ने रविवार को पंजाब किंग्स को 38 रन से मात दी और वो तीसरे स्थान पर बरकरार है। वहीं, लखनऊ सुपरजायंट्स को केकेआर के हाथों मिली विशाल शिकस्त का खामियाजा भुगतना पड़ा और वो टॉप-4 से बाहर हो गई है। केएल राहुल के नेतृत्व वाली लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम पांचवें स्थान पर है। एलएसजी की हार का फायदा सनराइजर्स हैदराबाद को मिला, जो चौथे स्थान पर पहुंच गई है। हैदराबाद ने अब तक 10 मैचों में 6 जीत दर्ज की है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, आरसीबी और पंजाब किंग्स क्रमशः छठे, सातवें व आठवें स्थान पर काबिज हैं। गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस क्रमशः 9वें और 10वें स्थान पर काबिज है।

रायबरेली-अमेठी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संभाला मोर्चा

» प्रियंका गांधी रखेंगी पूरे चुनाव पर निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी रायबरेली में राहुल गांधी और अमेठी में केएल शर्मा की चुनावों पर पूरी नजर रखेंगी। प्रचार से लेकर चुनाव संबंधी सभी कामों के लिए एक टीम बना दी गई है। उस टीम ने मोर्चा भी संभाल लिया है। वह सोमवार सुबह यहां पहुंचते ही बूथ कमेटी की समीक्षा करेंगी।

वह नुक्कड़ सभा के साथ ही घर-घर दस्तक देंगी। हालांकि पार्टी की ओर से अभी अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। लंबे समय तक चली रस्साकशी के बाद अंतिम दिन रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा मैदान में उतर गए हैं। नामांकन के वक्त सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी भी राहुल के नामांकन में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया। अब इन दोनों सीटों की कमान प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। पार्टी की ओर से अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रियंका गांधी की 40 सदस्यी टीम रायबरेली पहुंच गई है। यह टीम प्रियंका के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रही।

सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाएंगी प्रियंका

सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाएंगी। इसके लिए प्रदेशभर से डाटा इकट्ठा किए गए हैं। वह करीब 250 से ज्यादा नुक्कड़ सभा करेंगी। इन सभाओं में स्थानीय मुद्दे भी होंगे और मंच पर मौजूद लोगों को सामाजिक समीकरण की दृष्टि से रखा जाएगा। सूत्रों का यह भी दावा है कि टीम की ओर से तैयार किए गए रोडमैप के तहत वह कुछ इलाके में घर-घर जनसंपर्क करेंगी। इस बीच स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और दशकों से गांधी परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रखने वाले लोगों के घर तक जाएंगी। उनके ठहरने के लिए रायबरेली के एक गेस्ट हाउस में इंतजाम किया जा रहा है।

अमेठी कांग्रेस कार्यालय पर हमला, पुलिस जांच में जुटी

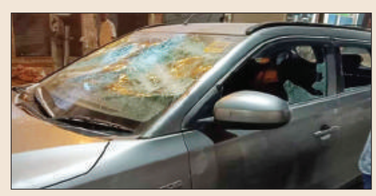

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में कांग्रेस पार्टी दफ्तर पर रविवार आधी रात के आसपास कुछ अज्ञात बदमाशों ने हमला कर दिया। उपद्रवियों ने बाहर खड़े कई वाहनों में तोड़फोड़ की और हंगामा मचाने के बाद भाग गए। इस घटना के विरोध में पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना के बाद कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंगल पार्टी कार्यालय पहुंचे। सीओ सिटी मयंक द्विवेदी समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शन कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया। द्विवेदी ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जाएगी और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी घटना स्थल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

बीजेपी ने जो कहा वो करके दिखाया : मोदी

कहा- डबल इंजन सरकार पर लोगों को है पूरा भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि ओडिशा में एक साथ दो यज्ञ हो रहे हैं - एक भारत में सरकार बनाने के लिए और दूसरा राज्य में सरकार बनाने के लिए। उन्होंने भाजपा द्वारा पहली बार ओडिशा में डबल इंजन सरकार बनाने पर विश्वास जताया। उनकी यह टिप्पणी ओडिशा के बेहरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आई।

राज्य में विधानसभा और आम चुनाव एक साथ 13 मई से शुरू हो रहे हैं। दोनों चुनावों की मतगणना 4 जून को होगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि ओडिशा में, दो यज्ञ एक साथ हो रहे हैं। एक भारत में एक मजबूत सरकार बनाने के लिए और दूसरा ओडिशा में भाजपा के नेतृत्व में एक मजबूत राज्य सरकार बनाने के लिए। आपका उत्साह दिखाता है कि ओडिशा में पहली बार डबल इंजन की सरकार बनने जा रही है। प्रधान मंत्री ने राज्य में भाजपा सरकार बनाने का विश्वास जताया और कहा कि वह राज्य में भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण देने के लिए शहर आए हैं। उन्होंने कहा आप जानते हैं कि बीजेपी जो कहती है वह करती है। इसलिए हम यहां सरकार बनाने के बाद घोषणा पत्र में की गई घोषणाओं को पूरी ताकत से लागू करेंगे। यह मोदी की गारंटी है।

भाजपा प्रत्याशी करणभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज

» सरेआम उड़ाईं आचार संहिता की धज्जियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। बहुचर्चित सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के खिलाफ प्रशासन की ओर से आचार संहिता उल्लंघन के मामले में तरबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मुकदमे में करण भूषण को नामजद करते हुए अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया है।

आरोप है कि बिना अनुमति वाहनों का काफिला निकालने के साथ ही उनके समर्थक आदर्श आचार संहिता और निषेधाज्ञा कानून की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। तरबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलसर बाजार में शनिवार को काफिले में समर्थकों ने आतिशबाजी की थी। जांच के बाद डीएम के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने आचार संहिता उल्लंघन और बिना अनुमति काफिला निकालने के मामले को गंभीरता से संज्ञान लिया है। रविवार शाम करीब 7:00 बजे तरबगंज विधानसभा एफएसटी प्रभारी डॉ. सुमित कुमार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। आचार संहिता और निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद बेलसर चौराहे पर उनके काफिले में मल्टी शॉट क्रैकर फोड़े गए थे। इतना ही नहीं बिना अनुमति दर्जनों वाहनों के काफिले निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया गया साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट से वीडियो भी शेयर की गई।

बीआरएस नेता के कविता को कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज़ एवेन्यू ने दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के गठन और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मामलों में बीआरएस नेता के कविता को सोमवार को जमानत देने से इनकार कर दिया।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के.कविता के अलावा, ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनकी पार्टी के सहयोगी, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ-साथ दिल्ली शराब नीति में कई शराब व्यवसायियों और अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया है। अरविंद केजरीवाल को नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 9 अप्रैल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेल से रिहाई के लिए अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी और लोकसभा चुनावों के बीच राजनीतिक प्रतिशोध के उनके तर्क को खारिज कर दिया। हाल के एक घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने पिछले हफ्ते शुक्रवार को कहा कि वह 2024 के लोकसभा चुनावों के कारण अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर 7 मई को सुनवाई पर विचार कर सकता है।

भाजपा दुनिया की सबसे भ्रष्ट पार्टी : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान भ्रष्टाचार और चुनावी बॉण्ड के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला बोलते हुए इसे 'दुनिया की सबसे भ्रष्ट पार्टी' करार दिया।

आप ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रोडशो और एक जनसभा सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन किया। उन्होंने 'जेल का जवाब वोट से' अभियान के तहत राजिंदर नगर में एक वॉकथॉन का आयोजन किया। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि पार्टी लोगों को बता रही है कि 2014 के बाद मोदी वॉशिंग मशीन कैसे भ्रष्टाचारियों का समर्थन लेकर और उन्हें मंत्री बनाकर उनके दाग धो रही है।

तेज रफ्तार डंपर से भिड़ी कार, दो की मौत

» प्रतापगढ़ में बड़ा हादसा तीन की हालत नाजुक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। सोमवार को तड़के प्रतापगढ़ में बड़ा हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार और डंपर की आमने सामने हुई भिड़ंत के बाद कार में आग लग गई। कार से आग की लपटें उठने लगीं। कार में पांच लोग सवार थे। घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हालत नाजुक होने के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद मौके पर लोग जुट गए। सूचना पाकर पुलिस भी पहुंच गई। हादसा प्रयागराज-अयोध्या हाईवे पर सिटी कोतवाली क्षेत्र के सोनावा के पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास हुआ।

कर हादसे में गंभीर रूप से घायल प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र के चकताना निवासी अखिल साहू (18), करेली करेड़ा के सत्यम साहू (24) और विवेक (24) हैं। तीनों को प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। मारे गए लोगों की पहचान की जा रही है। मारे गए लोग भी प्रयागराज के रहने वाले थे और अयोध्या से दर्शन करके लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार सोमवार को भोर में चिलबिला पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम सोनावा के पास सुल्तानपुर की ओर से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार में प्रतापगढ़ की तरफ से जा रहे डंपर ने जबरदस्त टक्कर मार दी। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस प्रतापगढ़ भेजा है। घायल अखिल साहू (18) पुत्र राजकुमार, निवासी चटकहना थाना नैनी जिला प्रयागराज, सत्यम साहू (22) पुत्र राजू साहू निवासी करेहेदा थाना करेली और विवेक साहू (24) पुत्र राम कैलाश साहू निवासी करेहदा थाना करेली जनपद प्रयागराज को जिला चिकित्सालय प्रतापगढ़ भिजवाया गया। जहां से तीनों घायलों को एसआरएन हॉस्पिटल प्रयागराज रेफर किया गया। हादसे के बाद कार में आग लग जाने के कारण कार पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

गाजियाबाद : फैक्ट्री में लगी भीषण आग

गाजियाबाद के थाना लिंक रोड क्षेत्र के महाराजपुर इलाके में एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फैक्ट्री का नाम पहाड़पुर कूलिंग फैक्ट्री है। इस फैक्ट्री में फाइबर सीट बनाई जाती है. जिसके चलते आग और तेजी से भड़क रही है। रात फायर ब्रिगेड की टीम को तकरीबन 9 बजे फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। आग की सूचना फायर स्टेशन वैशाली को मिलते ही आनन-फानन में दमकल की गाडियिां दमकल कर्मियों के साथ मौके पर भेजी गई। 12 घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका है और आग पर काबू पाने का प्रयास अब भी जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आग पर काबू पा लिया जाएगा। अब तक चार अन्य जिलों से भी फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियों को मौके पर बुलाया गया है, जो आग पर काबू पाने में लगी हुई हैं। आग किन कारणों से लगी इसका पता नहीं चल पाया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।